वुसी की बहन ने क्या कहा

Nina Orange
Wiehan de Jager
Nandani
hindi
nivå 4

(uten bilder)

एक दिन सुबह सुबह वुसी की दादी ने उसे बुलाया, “वुसी, कृपया इन अंडों को अपने माता-पिता के पास ले जाओ। वे एक बड़ा सा केक तुम्हारी बहन की शादी के लिए बनाना चाहते हैं।”

माता -पिता के पास जाने के रास्ते में, वुसी दो लड़कों से मिला जिन्होंने फल लिये थे। एक लड़के ने वुसी से अंडा छीना और पेड़ पर फेक दिए। अंडा टूट गया।

“तुमने क्या किया?” वुसी रोया। “वह अंडे केक के लिये थे। केक मेरी बहन की शादी के लिए था। मेरी बहन क्या कहेगी अगर उसकी शादी का केक नहीं हुआ?”

लड़के वुसी को परेशान करने के लिये शर्मिंदा थे। “हम केक के साथ मदद नहीं कर सकते, लेकिन यहाँ चलने वाली छड़ी है तुम्हारी बहन के लिए,” एक ने कहा। वुसी ने अपना सफ़र जारी रखा।

रास्ते में यह दो आदमियों से मिला जो घर बना रहे थे। “क्या हम उस मजबूत लकड़ी का प्रयोग कर सकते है?” एक ने पूछा। एक ने पूछा। पर यह छड़ी मकान के लिए मजबूत नहीं है, और वह टूट गया।

“तुमने क्या किया?” वुसी रोया।” छड़ी मेरी बहन के लिए उपहार था। फलवालो ने दिया था क्योंकि उन्हों ने केक के लिए अंडे को तोड़ दिया। केक मेरी बहन की शादी के लिये था। अब अंडा है, ना केक, और नहीं कोई उपहार। मेरी बहन क्या कहेंगी?”

राजमिस्त्री छड़ी तोड़ने पर दुखी थे। “हम केक के साथ मदद नहीं कर सकते, पर यहाँ कुछ घास-फुस है तुम्हारी बहन के लिये,” एक ने कहा। और फिर वुसी ने अपना सफ़र जारी रखा।

रास्ते में, वुसी किसान और एक गाय से मिला। “क्या स्वादिष्ट फुस है, क्या इसे मैं चबा सकती हूँ?” गाय ने पूछा। पर फुस स्वादिष्ट था तो गाय ने पूरा खा लिया!

“तुमने क्या किया?” वुसी रोया।” वह फुस मेरी बहन के लिए उपहार था” राजमिस्त्रों ने मुझे दिया था वह फुस क्योंकि उन्होंने फलवालो से मिली छड़ी को तोड़ दिया था। फलवालो ने मुझे इसलिए दिया क्योंकि उन्होंने अंडा तोड़ दिया था जो मेरी बहन के केक के लिए था। केक मेरी बहन की शादी के लिए था। अब यह ना अंडा है, न केक, और ना कोई उपहार। मेरी बहन क्या कहेगी?”

गाय को पछतावा हुआ वह लालची थी। किसान तैयार हो गया कि गाय वुसी के साथ जा सकती है उसके बहन के उपहार के रूप में। और तो वुसी ने पकड़ लिया।

लेकिन गाय जल्दी ही दौड़ कर किसान के पास वापस आ गई। और वुसी रास्ता भूल गया। वह बहुत देर से अपनी बहन की शादी में पहुचा। मेहमान पहले से ही खा रहे थे।

“मैं क्या कर सकता हूँ?” वुसी रोया। जो गाय उपहार में मिली थी वो भाग गई, वह फुस के बदले में मिली थी जो राजमिस्त्रों ने दिया था। राजमिस्त्रों ने मुझे फुस दिया क्योंकि उन्होंने फलवालो से मिले छड़ी को तोड़ दिया। फलवालो ने मुझे छड़ी इसलिए दिया क्योंकि उन्होंने मेरे अंडे तोड़ दिए जो केक के लिए था। केक शादी के लिए था। अब यह अंडा नहीं है, ना केक, और ना उपहार”।

वुसी की बहन ने थोड़ी देर सोचा, फिर बोला, “वुसी मेरे भाई, मुझे सच में उपहारों से कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे केक की भी चिंता नहीं है! हम सभी यहाँ साथ में है, मैं खुश हूं। अब तुम अच्छे पहनो और और इस दिन का जश्न मनाते है!” और फिर ऐसा ही वुसी ने किया।

Barnebøker for Norge

barneboker.no

वुसी की बहन ने क्या कहा

Skrevet av: Nina Orange
Illustret av: Wiehan de Jager
Oversatt av: Nandani

Denne fortellingen kommer fra African Storybook (africanstorybook.org) og er videreformidlet av Barnebøker for Norge (barneboker.no), som tilbyr barnebøker på mange språk som snakkes i Norge.

Dette verket er lisensiert under en Creative Commons
Navngivelse 3.0 Internasjonal Lisens.